काल निर्णय

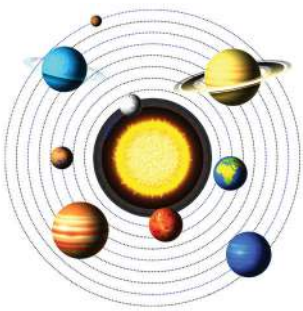
साधक, पाठक तथा सर्वजन सामान्य के लिए समय का वह रूप यहां प्रस्तुत है; जो किसी भी व्यक्ति के जीवन में उन्नति का कारण होता है तथा जिसे जान कर आप स्वयं अपने लिए उन्नति का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं।

नीचे दी गई सारिणी में समय को श्रेष्ठ रूप में प्रस्तुत किया गया है - जीवन के लिए आवश्यक किसी भी कार्य के लिये, चाहे वह व्यापार से सम्बन्धित हो, नौकरी से सम्बन्धित हो, घर में शुभ उत्सव से सम्बन्धित हो अथवा अन्य किसी भी कार्य से सम्बन्धित हो, आप इस श्रेष्ठतम समय का उपयोग कर सकते हैं, और सफलता का प्रतिशत **99.9%** आपके भाग्य में अंकित हो जायेगा।

ब्रह्म मुहूर्त का समय प्रातः 4.24 से 6.00 बजे तक ही रहता है।



वार/दिनांक	श्रेष्ट समय	
रविवार (सितम्बर 27) (अक्टूबर 4, 11)	दिन	07:36 से 10:00 तक 12:24 से 02:48 तक 04:24 से 05:12 तक
	रात	07:36 से 09:12 तक 11:36 से 02:00 तक
सोमवार (सितम्बर 28) (अक्टूबर 5, 12)	दिन	06:00 से 10:48 तक 01:12 से 06:00 तक
	रात	08:24 से 11:36 तक 02:00 से 03:36 तक
मंगलवार (सितम्बर 29) (अक्टूबर 6, 13)	दिन	06:00 से 07:36 तक 10:00 से 10:48 तक 12:24 से 02:48 तक
	रात	08:24 से 11:36 तक 02:00 से 03:36 तक
बुधवार (सितम्बर 30) (अक्टूबर 7, 14)	दिन	06:48 से 11:36 तक
	रात	06:48 से 10:48 तक 02:00 से 04:24 तक
गुरुवार (अक्टूबर 1, 8, 15)	दिन	06:00 से 06:48 तक 10:48 से 12:24 तक 02:48 से 06:00 तक
	रात	10:00 से 12:24 तक
शुक्रवार (अक्टूबर 2, 9)	दिन	09:12 से 10:30 तक 11:36 से 12:24 तक 02:00 से 06:00 तक
	रात	08:24 से 10:48 तक 01:12 से 02:00 तक
शनिवार (अक्टूबर 3, 10)	दिन	10:48 से 02:00 तक 05:12 से 06:00 तक
	रात	08:24 से 10:48 तक 12:24 से 02:48 तक 04:24 से 06:00 तक



सितम्बर 2026

नक्षत्रों की वाणी





मेष

परिवर्तन संसार का नियम है, इसे खुले मन से स्वीकार करें। आपकी नौकरी अथवा कैरियर में बदलाव आपके लिये उन्नति लेकर आयेगा। आय में वृद्धि होगी, जिसका प्रभाव आपके सामाजिक स्तर पर पड़ेगा। नवीन वाहन प्राप्ति योग है, परिवार में अतिथि आगमन हो सकता है, जिससे हर्ष का वातावरण रहेगा। आप जीवनसाथी के साथ अच्छा व्यवहार रखें अन्यथा व्यर्थ का वाद-विवाद हो सकता है। आप अनुकूलता हेतु सद्गुरुदेव से **'भाग्योदय दीक्षा'** ग्रहण करें। शुभ तिथियां - 2, 19, 29, 30 हैं।

वृषभ

नवग्रहों की गणनानुसार इस माह आपको सुख-दुःख की अनुभूति होती रहेगी। कार्यों में विलम्ब होने से मन खिन्न हो सकता है, नकारात्मक भाव आ सकते हैं किन्तु आप कोशिश करें कि इन परिस्थितियों का प्रभाव आपके मन पर न पड़े। इस माह अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें, स्वास्थ्य सम्बन्धी बाधाएं आ सकती है। आकस्मिक अथवा फंसे हुए धन प्राप्ति के योग है। विद्यार्थीयों को परिश्रम के अनुरूप सफलता प्राप्त होगी। अनुकूलता हेतु सद्गुरुदेव से **'धूमावती दीक्षा'** ग्रहण करें। शुभ तिथियां - 4, 12, 25, 26 हैं।

मिथुन

माह के प्रारम्भ में थोड़ी विपरीत स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है, किन्तु दूसरी ओर माह का अन्त आपके लिये सफलतादायक रहेगा। आर्थिक पक्ष को लेकर सावधानी रखने की आवश्यकता है। कर्ज लेने और देने से बचने का प्रयास करें, कर्ज के दलदल में फंस सकते है। कार्य विस्तार अथवा नवीन कार्य प्रारम्भ की सोच रहे हैं, तो अभी टाल दें। माह के अन्त में राजकीय कार्य में सफलता प्राप्त होगी। अनुकूलता हेतु **'विन्ध्यवासिनी साधना'** (जून 2026) सम्पन्न करें। शुभ तिथियां - 11, 20, 26, 28 हैं।

कर्क

वर्तमान समय आपके लिये उन्नतिदायक और प्रगतिदायक है किन्तु आप अपनी महत्वकाक्षाओं को नियन्त्रण में रखें अन्यथा आपकी मानसिक शान्ति समाप्त हो जायेगी और आप वर्तमान खुशियों का आनन्द भी नहीं ले पायेंगें। नौकरी क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों को उनके उच्च अधिकारी प्रसन्न होकर प्रमोशन प्रदान कर सकते हैं। परिवार में चला आ रहा विवाद समाप्त होने से मानसिक शान्ति का अनुभव करेंगें। आप अनुकूलता हेतु **'लक्ष्य सिद्धि क्लीं साधना'** (अगस्त 2026) सम्पन्न करें। शुभ तिथियां 2, 13, 20, 30 हैं।

सिंह

जीवन में धोखा अथवा विश्वासघात तब ही होता है, जब आंख बंद कर विश्वास किया जाये। सावधानी रखें, निकटतम व्यक्ति से ही धोखा अथवा छल हो सकता है। रुपये-पैसे लेन-देन में सावधानी की आवश्यकता है। आय से अधिक खर्च आपको परेशान कर सकता है, साथ ही क्रोध और वाणी को नियन्त्रण में रखें अन्यथा शत्रु पक्ष में वृद्धि हो जायेगी आपके उच्च अधिकारियों का सहयोग आपको प्राप्त होगा आप अनुकूलता हेतु सद्गुरुदेव से **'बगलामुखी दीक्षा'** अवश्य ग्रहण करें। शुभ तिथियां - 4, 11, 20, 24 हैं।

कन्या

समस्या का चिन्तन करने की अपेक्षा बुद्धि-विवेक के साथ उसका निदान खोंजे, समस्याओं को देखकर घबरायें नहीं उनका पराक्रम और साहस के साथ सामना करें। कार्य स्थल पर लापरवाही न करें अन्यथा उच्च अधिकारी के क्रोध का सामना करना पड़ सकता है। राजनीति क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों को विशेष लाभ होगा, बस सफलता हेतु आलस्य का त्याग कर कर्म को साधना मानकर क्रियाशील रहें। आप अनुकूलता हेतु **'लक्ष्य सिद्धि क्लीं साधना'** (अगस्त 2026) सम्पन्न करें। शुभ तिथियां - 4, 17, 23, 25 हैं।

तुला

वर्तमान समय सर्वलाभकारी है, व्यापार क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों के आय के संसाधनों में वृद्धि होगी। दूसरी ओर नौकरी क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों को उनके उच्च अधिकारी प्रसन्न होकर प्रमोशन के रूप में तरक्की कर सकते है। इस माह आपको भविष्य के लिये कुछ बड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं इसलिये बुद्धि और विवेक के साथ निर्णय करें। परिवार में कोई आध्यात्मिक आयोजन आपको शान्ति प्रदान करेगा। लाभ प्राप्ति हेतु सद्गुरुदेव से **'कार्य पूर्णता गणपति दीक्षा'** ग्रहण करें। शुभ तिथियां - 2, 8, 17, 30 हैं।

वृश्चिक

लम्बे समय से कोर्ट में लम्बित कार्य का फैसला आपके पक्ष में आने से आत्मविश्वास में वृद्धि और शान्ति प्राप्त होगी। व्यापार क्षेत्र से जुड़े व्यक्ति व्यापार विस्तार के लिये यात्रा इत्यादि पर जा सकते हैं, जिसका भविष्य में आपको लाभ होगा। इस महा नौकरी क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों को बोनस के रूप में लाभ होगा, राजकीय कार्य में सफलता मिलेगी। इस माह परिवार एवं जीवनसाथी का सहयोग आपके लिये लाभकारी होगा। अनुकूलता हेतु **'चन्द्रमौलिश्वर साधना'** (जून 2026) सम्पन्न करें। शुभ तिथियां - 8, 17, 22, 23 हैं।

धनु

इस माह आपके जीवन में तीव्र धन प्रवाह होने के योग है। किन्तु आपको अनावश्यक खर्च को नियन्त्रित भी करना पड़ेगा अन्यथा जितनी शीघ्रता से धन आयेगा उतनी ही शीघ्रता से समाप्त भी हो जायेगा। आपके लिये उचित रहेगा की भविष्य के लिये निवेश करें। धार्मिक क्रिया-कलापों में आपका रूझान आपको आत्मिक बल प्रदान करेगा। माह के अन्त कोई घटना आपको विचलित कर सकती है। आप अनुकूलता हेतु सद्गुरुदेव से **'हनुमान दीक्षा'** अवश्य ग्रहण करें। शुभ तिथियां - 4, 11, 20, 25 हैं।

मकर

समय आपके लिये लाभकारी है अत: इस समय का पूर्ण सदुपयोग अपने क्योंकि समय दोबारा लोटकर नहीं आता। कर्म और परिश्रम के द्वारा अपनी योजनाओं को धरातल पर उतारने का सही समय है। भविष्य के लिये निवेश इत्यादि करने हेतु समय अनुकूल है। भविष्य में उसका आपको लाभ

☆ **सर्वार्थ सिद्धि योग** - 1, 3, 7, 8, 13, 16, 17, 21, 27, 29, 30 सितम्बर / 4, 5, 6, 14 अक्टूबर ☆ **अमृत योग** - 1, 13, 26, 29 सितम्बर / 14 अक्टूबर ☆ **द्विपुष्कर योग** - 11 अक्टूबर ☆ **त्रिपुष्कर योग** - 12 सितम्बर ☆ **रवि पुष्कर योग** - 4 अक्टूबर ☆

होगा। गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें, आपके खिलाफ षडयन्त्र रच सकते हैं। वाहन उपयोग करते सयम भी सावधानी रखें। अनुकूलता हेतु **'बटुक भैरव साधना'** (जून, 2026) सम्पन्न करें। शुभ तिथियां - 7, 18, 23, 25 हैं।

कुम्भ

जीवन में योजना बनाकर कार्य करने से, सफलता प्राप्त सहज हो जाती है। आप भी अपना कार्य विस्तार करने के लिये योजनाबद्ध रूप से कार्य करें, निश्चित रूप से आपको सफलता प्राप्त होगी। जब व्यक्ति उन्नति, प्रगति करता है तो स्वाभाविक है उसके शत्रु भी बढ़ते हैं। अतः आपको शान्त और संयमित रहते हुए षडयन्त्रों से सावधान रहना है। अपने खान-पान को नियन्त्रित करें, स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आप अनुकूलता हेतु **'गणपति साधना'** (अगस्त 2026) सम्पन्न करें। शुभ तिथियां - 7, 16, 24, 29 हैं।

मीन

वर्तमान समय आपके लिये मिश्रित फलकारक है आपके मान-सम्मान और लोकप्रियता में वृद्धि होगी। किन्तु आप अहं भाव न आने दें, अन्यथा आपकी शान्ति और उन्नति दोनों प्रभावित हो सकती है। लक्ष्य को दृष्टिगत रखकर कर्म करते रहें, स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। नौकरी पेशा व्यक्ति कार्य में लापरवाही न करें अन्यथा अपने उच्च अधिकारी से प्रताड़ना मिल सकती है। अनुकूलता हेतु इस माह सद्गुरुदेव से **'रसेश्वर महामृत्युंजय दीक्षा'** अवश्य ग्रहण करें। शुभ तिथियां - 2, 9, 17, 27 हैं।

इस मास के व्रत, पर्व एवं त्यौहार

10 सितम्बर भाद्रपद कृ.-30	शुक्रवार	अमावस्या
14 सितम्बर भाद्रपद शु.-03	सोमवार	गणेश चतुर्थी
22 सितम्बर भाद्रपद शु.-11	मंगलवार	पद्मा एकादशी
22 सितम्बर भाद्रपद शु.-12	बुधवार	भुवनेश्वरी जयन्ती
25 सितम्बर भाद्रपद शु.-14	शुक्रवार	अनन्त चतुर्दशी
26 सितम्बर भाद्रपद शु.-15	शनिवार	पूर्णिमा / श्राद्ध पक्ष प्रा.
06 अक्टूबर आश्विन कृ.-11	मंगलवार	श्राद्ध पक्ष एकादशी
10 अक्टूबर आश्विन कृ.-30	शनिवार	पितृकार्य श्राद्ध अमावस्या

आज क्या करना है - वराहमिहिर वचन

किसी भी कार्य को प्रारम्भ करने से पूर्व प्रत्येक व्यक्ति के मन में संशय-असंशय की भावना रहती है कि यह कार्य सफल होगा या नहीं, सफलता प्राप्त होगी या नहीं, बाधाएं तो उपस्थित नहीं हो जाएंगी, पता नहीं दिन का प्रारम्भ किस प्रकार से होगा, दिन की समाप्ति पर वह स्वयं को तनावरहित कर पायेगा या नहीं? प्रत्येक व्यक्ति कुछ ऐसे उपाय अपने जीवन में अपनाना चाहता है, जिनसे उसका प्रत्येक दिन उसके अनुकूल एवं आनन्दयुक्त बन जाए। कुछ ऐसे ही उपाय आपके समक्ष प्रस्तुत हैं, जो वराहमिहिर के विविध प्रकाशित-अप्रकाशित ग्रंथों से संकलित हैं, जिन्हें यहां प्रत्येक दिवस के अनुसार प्रस्तुत किया गया है तथा जिन्हें सम्पन्न करने पर आपका पूरा दिन पूर्ण सफलतादायक बन सकेगा।

सितम्बर - 2026 - दिनांक

16. गाय को गुड़-रोटी खिलायें, बाधा समाप्त होगी
17. गुरु गीता के पांच श्लोक का पाठ करें, कार्य में सफलता मिलेगी
18. 'संतान सप्तमी' पर संतान को **'जीवन मार्ग सौभाग्य दीक्षा'** के माध्यम से सद्गुरुदेव का आशीर्वाद दिलायें।
19. **'भगवती दुर्गा'** को पांच लाल पुष्प अर्पित करें।
20. चावल का दान करें, बाधा समाप्त होगी।
21. 'गुरु जन्म' दिवस पर सद्गुरुदेव का पूजन कर गुरु सेवा का संकल्प लें।
22. आज **'श्रीकृष्ण आरती'** अवश्य सम्पन्न करें।
23. **'महाविद्या भुवनेश्वरी जयन्ती'** पर **'भुवनेश्वरी साधना'** (पृष्ठ सं. 27) करें तथा सद्गुरुदेव से **'भुवनेश्वरी महादीक्षा'** (पृष्ठ सं. 29) ग्रहण करें।
24. **'निखिल स्तवन'** के 11 श्लोक का पाठ कर कार्य पर जायें।
25. **'अनंत चतुर्दशी'** के शुभ अवसर पर **'अनन्त साधना'** (पृष्ठ सं. 16) सम्पन्न करें।
26. **'श्राद्ध पक्ष (26 सित. 2026 से 10 अक्टू 2026)'** में तिथि अनुसार पितरों की मुक्ति हेतु **'अष्टवसु गण साधना'** (पृष्ठ सं. 32) सम्पन्न करें तथा तर्पण हेतु **'दिव्यलोक श्रद्धांजली साधना'** (पृष्ठ सं. 33) करें।
27. एक लोटा जल पीपल के पेड़ में अर्पित करें।
28. आज शिव मंदिर में पांच घी के दीपक जलायें।
29. आज **'मूंगा गणपति'** (न्यौ. 300/-) का पूजन कर हनुमान मंदिर में अर्पित करें, बाधा समाप्त होगी।
30. अपने इष्ट का स्मरण कर दिन का आरम्भ करें।

अक्टूबर - 2026 - दिनांक

1. आज गुरु पादुका पूजन सम्पन्न करें।
2. आज दही खाकर घर से निकलें कार्य सिद्धि होगी।
3. आज पांच लौंग शिव मन्दिर में चढ़ा दें, कार्य में सफलता प्राप्त होगी।
4. प्रात: घी का दीपक जलाकर घर के बाहर रख दें, दिन सफलतादायक सिद्ध होगा।
5. प्रात: काल 15 मिनट **'सोहम्'** मंत्र का जप करें।
6. **'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय'** का 1 माला जप कर दिन का आरम्भ करें।
7. हरी वस्तु का दान करें, ग्रह दोष समाप्त होगा।
8. शिव पूजन कर दिन का प्रारम्भ करें।
9. शक्कर का दान करें सफलता प्राप्त होगी।
10. **सर्वपितृ अमावस्या श्राद्ध** पर सद्गुरुदेव से **'पितृदोष एवं प्रेतबाधा मुक्ति दीक्षा'** (पृष्ठ सं. 63) ग्रहण करें।
11. **आश्विन नवरात्रि (11 अक्टू 2026 से 20 अक्टू 2026)** में **'आद्याशक्ति जगदम्बा सायुज्य नवार्ण शक्ति नवरात्रि पूजन साधना सामग्री'** (पृष्ठ सं. 07) से विधि विधान सहित शक्ति साधना सम्पन्न करें तथा नवरात्रि में सद्गुरुदेव से **'नवार्ण दीक्षा'** ग्रहण करें।
12. आज सांयकाल पानी में कच्चा दूध डालकर चन्द्रमा को अर्पित करें।
13. हनुमान जी को पीला फल अवश्य अर्पित करें।
14. आज गणपति पूजन कर दिन का आरम्भ करें।
15. आश्विन शुक्ल पंचमी के शुभ अवसर पर सद्गुरु से **'ललिताम्बा दीक्षा'** ग्रहण करें।